

डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो, यीशु से पहले यहूदी धर्म, सत्र 3, फ़ारसी साम्राज्य

© 2024 टोनी टोमासिनो और टेड हिल्डेब्रांट

यह टोनी टॉमसिनो और यीशु से पहले यहूदी धर्म पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 3 है, फ़ारसी साम्राज्य।

जब हम पुराने नियम के अंत में पहुँचते हैं, तो हम पाते हैं कि यहूदी फ़ारसियों के रूप में जाने जाने वाले लोगों के दायरे का हिस्सा हैं।

अब, पुराने नियम में फ़ारसियों का बहुत ज़्यादा उल्लेख नहीं है। वे इसराइल के ज़्यादातर इतिहास में प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं। आप जानते हैं, हम मिस्रियों के बारे में सब कुछ जानते हैं, हम बेबीलोनियों के बारे में सब कुछ जानते हैं और असीरियन के बारे में भी काफ़ी कुछ जानते हैं, लेकिन फ़ारसियों के बारे में इतना नहीं, क्योंकि वे एक तरह से दूर के विदेशी लोग हैं।

अपनी जातीयता के मामले में भी वे दूर हैं। फ़ारसी लोग इंडो-आर्यन लोगों के एक समूह का हिस्सा हैं जो मध्य पूर्वी भूमि में चले गए और वहाँ रहने के लिए बस गए। बाइबल में अक्सर हम उन पुस्तकों में मेड्स और फ़ारसियों के बारे में सुनते हैं जहाँ उनका उल्लेख किया गया है।

उदाहरण के लिए, दानियेल की पुस्तक में, वे मेदियों और फ़ारसियों के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि वे एक ही समूह हों। और इसके पीछे एक कारण है। वे एक दूसरे से बहुत निकट से जुड़े हुए थे।

लेकिन कालक्रम के अनुसार, मेड्स फ़ारसियों से पहले के हैं। इसलिए, जैसा कि आप यहाँ मानचित्र से देख सकते हैं, मेड्स का साम्राज्य वास्तव में काफ़ी बड़ा था और उस समय के कई अन्य साम्राज्यों से प्रतिद्वंद्वी था। मेड्स लगभग 1500 ईसा पूर्व ईरान में आए थे।

हम इसे पुरातात्विक अवशेषों के कारण जानते हैं। मुख्य रूप से, वे खानाबदोश लोग थे। इसलिए, घुड़सवार, वे अपने घोड़ों से प्यार करते थे, और घोड़े वास्तव में उनकी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, और यहां तक कि उनके धर्म का भी महत्वपूर्ण हिस्सा थे।

लेकिन जब वे वहां पहुंचे और बस गए और एक राज्य का निर्माण करना शुरू किया, तो वास्तव में वे 836 ईसा पूर्व के आसपास अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर खिलाड़ी बनने लगे। उदाहरण के लिए, वे असीरियन साम्राज्य के पतन में शामिल थे। और वे उस पूरी घटना में भी खिलाड़ी थे।

उस क्षेत्र में बसे मेड्स और अन्य इंडो-आर्यन लोगों की जनजातियों को वास्तव में साइक्सारेस नामक एक व्यक्ति ने एकजुट किया था। अब, इन सभी नामों को एक तरह से ग्रीक रूप में रखा गया है क्योंकि वे मुख्य रूप से ग्रीक स्रोतों में हमारे लिए संरक्षित हैं। इसलिए, मूल नाम, निश्चित रूप से, इससे थोड़ा अलग उच्चारण किए जाते हैं।

लेकिन साइक्सेरेस मेड्स के इतिहास में एक पौराणिक चरित्र की तरह है, जहाँ तक उसकी संगठित करने और लोगों को अपने शासन के तहत एक साथ लाने की क्षमता है। और उसके माध्यम से, एक साम्राज्य बनाया गया, एक ऐसा साम्राज्य जो वास्तव में बेबीलोन के प्रतिद्वंद्वी था। और यहाँ हम देख सकते हैं, जहाँ तक भौगोलिक क्षेत्र का सवाल है, मेडियन साम्राज्य वास्तव में बेबीलोन साम्राज्य से काफी बड़ा था।

इसमें बहुत ज़्यादा लोग नहीं थे क्योंकि यहाँ उपजाऊ अर्धचंद्राकार क्षेत्र में कुछ प्रमुख आबादी वाले क्षेत्र हैं। और यहाँ का यह क्षेत्र बहुत बंजर भूमि वाला है। लेकिन यहाँ बहुत से लोग थे जो मीडियन साम्राज्य के तहत एक साथ एकजुट थे।

मेदियों के अंतर्गत एकजुट हुए लोगों में से एक फारसी थे। इसलिए, फारसी लोग, मेदियों की तरह, इंडो-आर्यन क्षेत्रों से आए थे। उनकी तरह, वे मूल रूप से घोड़े पर सवार खानाबदोश थे।

और वे बस गए और एक राज्य की स्थापना करने लगे। और उस राज्य पर विजय प्राप्त की गई और वह मीडियन साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वे वास्तव में सांस्कृतिक रूप से मीड्स से अप्रभेद्य हैं, सिवाय इसके कि उनकी भाषा थोड़ी अलग है।

फ़ारसी भाषा, मेड्स से कुछ अलग है, उनकी लेखन प्रणाली थोड़ी अलग है और इसी तरह की अन्य बातें। लेकिन जहाँ तक वास्तुकला का सवाल है, जहाँ तक उनकी कुछ सांस्कृतिक विशेषताएँ और इसी तरह की अन्य बातें हैं, वे लगभग एक जैसे ही हैं। वे 550 ईसा पूर्व तक मेड्स के जागीरदार थे।

550 में एक और व्यक्ति आया जिसने इस व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया। और वह साइरस नाम का व्यक्ति था, जिसे हम साइरस महान के नाम से जानते हैं। अब, साइरस को हम कई अलग-अलग स्रोतों से जानते हैं।

यूनानियों ने उनकी बहुत प्रशंसा की। और इसलिए, हेरोडोटस, क्टेसियस और ज़ेनोफ़ोन, जो साइरस के समय के तुरंत बाद रहते थे, सभी ने उनके बारे में लिखा। और फिर, इस मामले में, हमारे पास एक दुर्लभ देशी काम है जो साइरस और उनके काम और उनके शासन के बारे में बात करता है।

और यह एक स्मारकीय शिलालेख है। हम इसे बेहिस्टन शिलालेख कहते हैं क्योंकि यह बेहिस्टन में स्थित है, जहाँ यह पाया गया है। बेहिस्टन शिलालेख डेरियस द्वारा बनाया गया था, जो साइरस का तत्काल उत्तराधिकारी नहीं था, बल्कि उसके बाद के कुछ राजाओं का उत्तराधिकारी था।

डेरियस ने साइरस के शासनकाल के बारे में बताया और साइरस के साथ अपने रिश्ते का दावा किया। इस बारे में सवाल है कि वह वास्तव में साइरस से संबंधित था या नहीं, लेकिन डेरियस ने यह दावा करके अपने शासन को उचित ठहराया कि वह और साइरस चचेरे भाई थे। इसलिए, किसी भी दर पर, यह एक उल्लेखनीय कृति है, यह शिलालेख।

अभी भी इस बारे में कुछ सवाल हैं कि यह कैसे किया गया क्योंकि पुरातत्वविदों ने भी इस बात का आरंभिक अर्थ निकाला था और वे अक्षरों की नकल करते समय रस्सियों से झूल रहे थे। लेकिन यहाँ शिलालेख की शुरुआत में लिखा है, मैं डेरियस हूँ, महान राजा, राजाओं का राजा, फारस का राजा, देशों का राजा, हिस्टास्पेस का पुत्र, अरसेम्स का पोता, अचमेनिद। और यहाँ यह शब्द है, अचमेनिद, जो एक तरह से साइरस महान के साथ अपने संबंधों का दावा करता है क्योंकि साइरस के बारे में भी दावा किया गया था, न कि साइरस ने, बल्कि उनके उत्तराधिकारियों ने भी अचमेनिद होने का दावा किया था।

तो, साइरस पर वापस आते हैं। क्या वह एक अचमेनिड था? हम वास्तव में नहीं जानते। अब अचमेनिड से मेरा मतलब है कि मेरा मतलब अचमेनीस का वंशज है, जिसे फारस के अधिकांश राजा अचमेनीस नाम के इस व्यक्ति से वंश का दावा करते हैं।

इसलिए, हम इसे अचमेनिद साम्राज्य या अचमेनिद राजवंश कहते हैं। साइरस वास्तव में उस राजवंश का हिस्सा हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, लेकिन डेरियस और उसके उत्तराधिकारियों ने दावा किया कि वह था, और शायद अपने शासन को सही ठहराने के लिए। वह 560 ईसा पूर्व में फारस का राजा बना।

उसने युद्ध में खुद को बहुत कुशल साबित किया और अपनी संपत्ति का विस्तार करने में कामयाब रहा। उसके काम और मीडियन साम्राज्य के आस-पास के कुछ राज्यों को दबाने से मीड्स के सम्राट बहुत प्रभावित हुए। और राजा एस्टीजेस ने फैसला किया कि साइरस जैसे व्यक्ति से निपटने का सबसे अच्छा तरीका उसे परिवार का हिस्सा बनाना था।

क्योंकि, आप जानते हैं, अगर आपके पास बहुत महत्वाकांक्षा और क्षमता वाला आदमी है, तो आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वह आपके पक्ष में हो। और इसलिए एस्टियाजेस ने साइरस की शादी अपनी बेटी से कर दी, यह सोचकर कि इससे वह अपने नियम के अनुसार चलेगा। खैर, वह गलत था।

क्योंकि 555 ईसा पूर्व में साइरस ने एस्टीजेस के खिलाफ विद्रोह किया और उसे हटा दिया तथा साम्राज्य के शासकत्व से उसे हटा दिया और मीडियन साम्राज्य को फारसी साम्राज्य में बदल दिया। अब, साइरस के ससुर का क्या हुआ? खैर, वह राजा बने रहे। दरअसल, 550 ईसा पूर्व में, जब विजय पूरी हो गई, साइरस सम्राट बन गए और एस्टीजेस उनके ग्राहक राजाओं में से एक बन गए।

यह वास्तव में उनके संचालन के प्रमुख तरीकों में से एक था, जब भी वह इसे व्यवस्थित कर सकता था, उसने स्थानीय शासकों को उनके पदों पर बनाए रखा, बस उन्हें हटाने, या उन्हें कुचलने, या जो भी करने की कोशिश करने के बजाय उनकी वफादारी जीतने की कोशिश की। इसलिए, जब उसने 547 ईसा पूर्व में लिडिया पर विजय प्राप्त की, तो वह सहिष्णुता की इस नीति को बनाए रखने और स्थानीय लोगों को यथासंभव कम बदलाव करके लाइन में रखने की इस नीति को बनाए रखने में कामयाब रहा। अब, बेशक, इन लोगों को अपने कर और अपनी श्रद्धांजलि का भुगतान करना पड़ता है, जो एक साम्राज्य की खासियत है, लेकिन अधिकांश भाग

के लिए, उन्होंने पाया कि फारसियों के अधीन जीवन किसी भी वास्तविक कठोर तरीके से नहीं बदला।

अब, फ़ारसी साम्राज्य की स्थापना और विस्तार के बाद काफी समय बीत चुका था, इससे पहले कि वह बेबीलोन की ओर अपना ध्यान केंद्रित करता। और बेबीलोनवासी काफी घबरा रहे थे, क्योंकि साइरस इन विभिन्न राज्यों, और राष्ट्रों, और उनके आस-पास के क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करके आगे बढ़ रहा था, लेकिन वे अधिकांश भाग के लिए बेबीलोन को अकेला छोड़ रहे थे। लेकिन, इस पूरे समय, साइरस एक अलग तरह का युद्ध कर रहा था।

वह एक ऐसा युद्ध चला रहा था जिसे हम प्रचार युद्ध कह सकते हैं। साइरस, एक तरह से, प्रचार का मास्टर था। उसने अपने दूतों के माध्यम से बेबीलोनियों को यह घोषणा की थी कि वह वहाँ विजेता के रूप में नहीं बल्कि मुक्तिदाता के रूप में आ रहा है।

उन्होंने खुद को देवताओं के मित्र के रूप में चित्रित किया। वैसे, हम वास्तव में नहीं जानते कि साइरस का धर्म क्या था। हम मानते हैं कि यह संभवतः इस तरह का विशिष्ट ईरानी बहुदेववाद था जो पारसी धर्म के उदय से पहले काफी प्रमुख था, जिसके बारे में मैं एक मिनट में बताऊंगा।

लेकिन, साइरस की मदद करने वाली एक चीज़ बेबीलोन के आखिरी राजा की बहुत अलोकप्रियता थी, जो नबोनिडस नाम का एक व्यक्ति था। अब, नबोनिडस के साथ असली समस्या यह है। आपके पास एक महत्वाकांक्षी, सक्षम राजा है जो आपके आस-पास की हर चीज़ पर विजय प्राप्त कर रहा है, और नबोनिडस क्या करता है? वह छुट्टी मनाता है।

हम वास्तव में नहीं जानते कि साइरस ने बेबीलोन पर कब्ज़ा करने के समय नैबोनिडस कहाँ था। लेकिन हम यह जानते हैं कि नैबोनिडस ने जाने से पहले सभी को अपने से नाराज़ करने में काफ़ी हद तक कामयाबी हासिल कर ली थी। इसका मुख्य कारण यह था कि वह एक धार्मिक सुधारक था।

बेबीलोन का मुख्य देवता मर्दुक नाम का एक व्यक्ति था। जब हम ओल्ड टेस्टामेंट में पहुँचते हैं, तो इसे मार्माड्यूक के साथ भ्रमित न करें, वैसे, कॉमिक्स में यह एक बड़ा कुत्ता है। हालाँकि, मर्दुक एक तूफ़ान का देवता था, और साइरस के समय तक, बेबीलोन के अधिकांश धार्मिक ग्रंथों ने मर्दुक को सभी देवताओं के प्रतीक के रूप में पहचाना।

इस अवधि के कुछ ग्रंथों को पढ़ना वाकई उल्लेखनीय है क्योंकि यह लगभग एकेश्वरवाद की सीमा पर है और मर्दुक के प्रति उनकी भक्ति के साथ है क्योंकि वह सभी अन्य ग्रीक बेबीलोनियन देवताओं का प्रतीक है। लेकिन नबोनिडस के पास ऐसा नहीं है। नबोनिडस, मर्दुक देवता के प्रति समर्पित होने के बजाय, जो पारंपरिक रूप से बेबीलोनियन लोगों का देवता रहा है, खुद को चंद्रमा देवी, पाप की पूजा करने के लिए समर्पित करता है।

वह मर्दुक के मंदिरों को वंचित करना शुरू कर देता है, और वह चाँद देवी के मंदिरों में पैसे फेंकना शुरू कर देता है। अब, यह, ज़ाहिर है, उन लोगों के लिए बहुत अच्छा था जो चाँद देवी के भक्त थे, लेकिन आम लोगों के लिए इतना अच्छा नहीं था जो मर्दुक से प्यार करते थे। आप

कल्पना कर सकते हैं कि यह कैसा होगा यदि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति यह घोषणा करें कि अब से हम इस देश में बौद्ध होंगे।

बौद्ध धर्म संयुक्त राज्य अमेरिका का धर्म है। और, लानत है, हम बौद्धों को सभी प्रकार की कर छूट देने जा रहे हैं, और बाकी सभी को अपना उचित हिस्सा देना शुरू करना होगा। और यह कुछ वैसा ही है जैसा बेबीलोन में नबोनिडस के साथ हुआ था।

और इसलिए, साइरस ने मर्दुक के पुजारियों से दोस्ती की, और उसने उन्हें बताया कि यह कितनी शर्म की बात है कि उनके भगवान की उपेक्षा की जा रही है, और लोगों के धर्म को नबोनिडस द्वारा कुचला जा रहा है। और इसलिए, वह खुद को अनिवार्य रूप से महान मुक्तिदाता के रूप में चित्रित करता है। वह बेबीलोन के लोगों को नबोनिडस की अक्षमता और धर्मत्याग से मुक्त करने जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि यह बात यहूदा तक भी पहुँची क्योंकि यशायाह की पुस्तक में, यशायाह के अध्याय 45 में, हम कुसू के बारे में पढ़ते हैं, जो यहूदा के लोगों को उनकी कैद से बाहर निकालने के लिए प्रभु द्वारा अभिषिक्त महान मुक्तिदाता बनने जा रहा है। लेकिन, कुसू ने एक सपना देखा था, और उसने इसे अपने एक ग्रंथ में दर्ज किया है, जहाँ उसने कहा कि भगवान मर्दुक ने उसे सपने में दर्शन दिए और कहा, कृपया आओ और मेरे लोगों को इस अधर्मी धोखेबाज नबोनिडस से बचाओ। कृपया आओ और उन्हें मुक्त करो और मुझे, मर्दुक को, मेरे उचित स्थान पर वापस लाओ।

इसलिए, 29 अक्टूबर, 539 ई.पू. को साइरस ने बेबीलोन में प्रवेश किया। हम नहीं जानते कि यह वास्तव में कैसे हुआ। इसकी संभावनाएँ हैं।

एक विवरण में कहा गया है कि उसने एक नदी का मार्ग बदल दिया और नदी का मार्ग बदलकर वह बेबीलोन में प्रवेश करने में सफल रहा। और इस पर काफी सवाल उठाए गए क्योंकि ऐसा माना जाता था कि नदियाँ बहुत गहरी थीं, लेकिन हाल ही में हुई खुदाई से पता चला है कि यह संभव हो सकता है कि बेबीलोन के द्वारों के नीचे से शहर के बीच से गुजरने वाली नदी वास्तव में लगभग 12 फीट गहरी थी, और कुछ क्षेत्रों में, उस नदी को पार करना और शायद पानी को काटना संभव था। तो, यह एक संभावना है।

दूसरी संभावना यह है कि उसे अंदर से मदद मिली होगी क्योंकि हम निश्चित रूप से यह नहीं मानेंगे कि मर्दुक के पुजारियों ने द्वार खोले और उन्हें खुला छोड़ दिया, आप जानते हैं। ओह, क्या हम उस द्वार को बंद करना भूल गए? वाह, हम प्यारे हैं, आप जानते हैं। लेकिन किसी भी दर पर, बेबीलोन को बहुत कम रक्तपात के साथ लिया गया था और साइरस को फिर से अपने मुक्तिदाता के रूप में सम्मानित किया गया था।

यह साइरस सिलेंडर नामक एक पाठ है, और इसे पाया गया और इसका अर्थ निकाला गया है, और उसके शब्दों को बेबीलोन के लोगों द्वारा दर्ज किया गया है। वह कहता है कि मैं साइरस हूँ, दुनिया का राजा, महान राजा, शक्तिशाली राजा, बेबीलोन का राजा, सुमेर और अक्कड़ की भूमि का राजा, कुछ का राजा, पृथ्वी के चार-चौथाई भाग, कैम्बिसिस का पुत्र, महान राजा, अनशन का

राजा, साइरस का पोता, महान राजा, अनशन का राजा, थेस्पिस का वंशज, महान राजा, अनशन का राजा, एक अंतहीन शाही वंश की संतान। यहाँ एक बात जो आप नोटिस करते हैं वह यह है कि वह अकेमेनिस के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं करता है।

तो, आप जानते हैं, ठीक है। लेकिन वैसे भी, बेल देवता, यानी मर्दुक और नबू, जो एक और पारंपरिक बेबीलोन देवता हैं, किसका शासन संजोते हैं, जिनके राजत्व की वे अपने दिल और खुशी के लिए कामना करते हैं। जब मैं अच्छे मूड में बेबीलोन में दाखिल हुआ, तो मैंने शासक के शाही महल में उल्लास और आनंद के बीच सरकार की एक सीट स्थापित की थी, शायद यह वास्तव में कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

महान देवता मर्दुक ने बेबीलोन के उदार निवासियों को मुझसे प्रेम करने के लिए प्रेरित किया। और जब मेरे असंख्य सैनिक और बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक बेबीलोन में प्रवेश करते थे और बेबीलोन के बीच में बिना किसी बाधा के घूमते थे, तो मैं प्रतिदिन उनकी पूजा करने की कोशिश करता था। मैंने किसी को भी सुमेर और अक्कड़ की भूमि के लोगों को आतंकित करने की अनुमति नहीं दी।

यह वास्तव में साइरस की नीति थी। उसने अपने सैनिकों को स्थानीय निवासियों को आतंकित करने की अनुमति नहीं दी। उसने खुद को सभी देवताओं का मित्र बताया, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो हर जगह जाकर अच्छाई करेगा।

और उसने बहुत सारे मंदिरों को बहुत सारा पैसा दिया। तो इस तरह से, उसने पुजारियों का दिल जीत लिया। और पुजारियों का दिल जीतते ही, कई बार, ज़ाहिर है, लोगों ने उसका अनुसरण किया।

बेबीलोन के निवासियों के लिए, जो देवताओं की इच्छा के विरुद्ध गुलाम बनाए गए थे, मैंने दास प्रथा को समाप्त कर दिया, जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा के विरुद्ध था। मैंने सभी गुलामों को मुक्त कर दिया। क्या आदमी था, तुम्हें पता है? मैंने उनके जीर्ण-शीर्ण आवास को राहत दी, इस प्रकार उनके दुर्भाग्य और गुलामी को समाप्त कर दिया।

महान राजा मर्दुक मेरे कामों से बहुत प्रसन्न हुए और आनन्दित हुए। और मुझ साइरस को, जो राजा उनकी पूजा करता था, और मेरे बेटे कैम्बिसेस को, जो मेरी संतान थे, और मेरी सेना को, उन्होंने कृपापूर्वक अपना आशीर्वाद दिया। और हम उनके सामने अच्छी भावना से शांतिपूर्वक खड़े हुए और खुशी से उनकी प्रशंसा की।

तो यह साइरस खुद का और अपने दृष्टिकोण का वर्णन कर रहा है। साइरस ने अपने साम्राज्य को लगभग पूरे प्राचीन निकट पूर्व में, एशिया माइनर, तुर्की और निश्चित रूप से, इज़राइल की भूमि में, मूल रूप से मिस्र की सीमाओं तक फैलाने में कामयाबी हासिल की। उसने मिस्र पर विजय प्राप्त नहीं की, लेकिन काफी समय तक फैला रहा।

वे अपने पूरे जीवन में अपने लोगों के बीच लोकप्रिय रहे। इसका एक बड़ा कारण यह था कि वे स्थानीय पंथों और स्थानीय लोगों के हितैषी थे। उन्होंने पुनर्निर्माण परियोजनाओं में पैसा लगाया।

जब उन्होंने बंदियों को घर भेजा तो निस्संदेह यरूशलेम के प्रारंभिक पुनर्निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक सहिष्णुता दोनों की नीतियों को अपनाया, जो उन दिनों उल्लेखनीय था - उतना उल्लेखनीय नहीं जितना हम सोचते हैं।

सच तो यह है कि हम बाइबल में नबूकदनेस्सर महान की कहानियाँ सुनते हैं, जिसने एक सोने की मूर्ति स्थापित की और सभी लोगों को सोने की मूर्ति की पूजा करने के लिए मजबूर किया, इत्यादि। वास्तव में, प्राचीन दुनिया में इस तरह की बात दुर्लभ थी, लेकिन साइरस ने सहिष्णुता को एक नए स्तर पर पहुँचाया। और वास्तव में, जैसा कि मैं कहता हूँ, उसने खुद को देवताओं का मित्र होने के रूप में प्रदर्शित किया।

साइरस एक महान आयोजक नहीं थे। अब, उन्होंने वास्तव में अपने करिश्मे के बल पर अपने साम्राज्य को एक साथ रखा था। और इसलिए उन्होंने ऐसी संरचनाएँ नहीं बनाई जो इसकी निरंतर सफलता सुनिश्चित करतीं।

ऐसा करने के लिए किसी दूसरे राजा को जाना होगा। हम वास्तव में ठीक से नहीं जानते कि उनकी मृत्यु कब हुई। हम वास्तव में नहीं जानते कि उनकी मृत्यु कैसे हुई।

अधिकांश लोगों का मानना है कि 530 में सीथियन नामक समूह के खिलाफ युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई थी, जो उत्तरी लोग थे जो बहुत, फिर से, बहुत ही युद्धप्रिय थे और साम्राज्य की उत्तरी सीमाओं पर बहुत परेशानी पैदा करते थे। लेकिन साइरस की कब्र वास्तव में बहुत ही साधारण और अलंकृत थी, क्योंकि वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने उनके जितना ही कुछ हासिल किया था। आप सोच सकते थे कि उनके पास कोई ऐसा महान, कोई ऐसा स्मारक होगा जो वास्तव में लोगों का ध्यान आकर्षित करेगा और प्रभावशाली होगा।

लेकिन नहीं, यह वास्तव में काफी सरल था। ग्रीक अभिलेखों के अनुसार, वहाँ एक बहुत ही सरल शिलालेख था, जिसमें कुछ इस तरह लिखा था, यहाँ साइरस लेटा है; मैंने दुनिया को जीत लिया है, इसलिए कृपया मुझे, मेरे छोटे से स्मारक को देखकर ईर्ष्या न करें। और वास्तव में, यह एक बहुत ही छोटा और मामूली स्मारक था।

और ऐसे महान व्यक्ति के लिए, एक तरह से उचित, सरल श्रद्धांजलि। तो, कुसू ने यहूदियों के लिए क्या किया? खैर, यशायाह 45 में, उसे प्रभु के अभिषिक्त, परमेश्वर के चुने हुए उद्धारकर्ता के रूप में वर्णित किया गया है। और यशायाह की पुस्तक के उसी अध्याय में, यह कहा गया है, भले ही तुम मुझे नहीं जानते हो, मैंने तुम्हारा हाथ थाम लिया है, और मैं तुम्हारा नेतृत्व करने जा रहा हूँ और तुम्हें सफलता दिलाऊँगा।

इसलिए, प्रभु स्वीकार करते हैं कि कुसू यहोवावादी नहीं था। वह प्रभु का उपासक नहीं था। और फिर भी परमेश्वर ने उसके काम को आशीर्वाद दिया क्योंकि वह प्रभु का काम कर रहा था।

उनकी नीतियों ने बेबीलोन से यहूदी बंदियों को यरूशलेम लौटने की अनुमति दी। प्रत्यावर्तन की मूल लहर शायद बहुत छोटी थी। लेकिन फिर भी, इसने यहूदा की भूमि और विशेष रूप से यरूशलेम शहर के पुनर्निर्माण की नींव रखना शुरू कर दिया।

बहुत संभव है कि उनका इरादा यरूशलेम में मंदिर के पुनर्निर्माण का था और उन्होंने इसके लिए धन और कर्मचारी उपलब्ध कराए थे। लेकिन यह उनके जीवनकाल में पूरा नहीं हो सका। और हम ईमानदारी से नहीं जानते कि ऐसा क्यों नहीं हुआ।

यह एक अजीब तरह का रहस्य है। इसलिए, जिसे भेजा गया था, वह शाही परिवार का सदस्य था। और इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब शेष बाजार यरूशलेम पहुंचा, तो लोगों में यह भावना थी कि गौरव के दिन फिर से आने वाले हैं और दाऊद का शाही वंश वापस आने वाला है और वे फिर से एक राज्य बनने जा रहे हैं।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शेष बाजार लगभग गायब हो गया। और मंदिर उनके शासनकाल में पूरा नहीं हुआ और वास्तव में काफी बाद में पूरा हुआ।

फिर से, बहुत संभव है कि साइरस ने यरूशलेम के पुनर्निर्माण के लिए राज्य निधि प्रदान की हो। हालाँकि, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने यहूदी लोगों को फिर से एक राष्ट्र बनाने और खुद को फिर से एक ऐसे लोगों के रूप में देखने के अवसर उपलब्ध कराए जिनके पास आशा और भविष्य था। हालाँकि, इस अवधि के बारे में हमें जो बातें ध्यान में रखनी चाहिए, उनमें से एक यह है कि जब बेबीलोन से लोगों का यह प्रवाह वापस आया तो सब कुछ सुचारू रूप से नहीं चला।

आप सोचिए कि यहाँ क्या हुआ था। तो, 587, 586 ई.पू. में बेबीलोनियों ने यरूशलेम पर कब्जा कर लिया। उन्होंने शहर का बहुत-सा हिस्सा नष्ट कर दिया।

वे शहर की दीवार और कई इमारतों को नष्ट कर देते हैं। वे मंदिर को नष्ट कर देते हैं। वे सभी अमीर, धनी और प्रभावशाली लोगों को ले जाते हैं और उन्हें बेबीलोन ले जाते हैं।

खैर, यरुशलम एक ऐसा शहर था, जिसमें उस समय कई उपनगर थे, खास तौर पर वे लोग जो सेना के अत्याचारों से बचने के लिए उस क्षेत्र में चले गए थे। जब यरुशलम शहर अचानक से खाली हो गया, तो यह खाली नहीं रहा। शहर के आस-पास के इलाकों में रहने वाले बहुत से लोग फिर यरुशलम चले गए और उन घरों और ज़मीनों और जगहों पर बस गए, जो पहले कुछ बहुत अमीर लोगों के स्वामित्व में थीं।

खैर, अब वे लोग यरूशलेम वापस आ रहे हैं और कह रहे हैं, हमें अपने घर वापस चाहिए। उस समय यरूशलेम में बहुत तनाव, बहुत सामाजिक उथल-पुथल और अशांति थी। और यह यहूदियों और देश के लोगों के बीच उस टकराव की शुरुआत है, जिन्हें बुद्धिमान, अच्छे और चौकस लोग माना जाता था।

यहाँ कई उल्लेखनीय चीजें हुईं। इनमें से एक बात यह है कि जब ये लोग बेबीलोन में थे, तो वे कुछ हद तक संस्कृति से परिचित थे। अब मैं पहले ही थोड़ा बता चुका हूँ कि कैसे वे अपने-अपने लोगों को साथ लेकर चलते थे और एक-दूसरे की तरफ़ देखते थे।

और वे एक विदेशी भूमि पर हैं। वे अपनी पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं और वे अपनी पहचान बनाए रखने के लिए ये संरचनाएँ बना रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर, उन्हें उस जगह पर रहना पड़ता है।

तो, वे क्या करते हैं? वे वहाँ के लोगों की भाषा अपनाना शुरू कर देते हैं। अरामी भाषा उन लोगों की भाषा बन जाती है जो शिक्षित हैं, जो लोग धनी हैं। अब वे वापस यरूशलेम आते हैं जहाँ हिब्रू भाषा अभी भी निचले वर्गों में बोली जाती है।

तो, आपको पहले से ही इस तरह का अजीब विभाजन मिल गया है। आप बता सकते हैं कि उच्च वर्ग के लोग कौन हैं और निम्न वर्ग के लोग कौन हैं, उनकी भाषा से। और उल्लेखनीय बात यह है कि निम्न वर्ग के लोग ही हिब्रू बोलते हैं, उच्च वर्ग के लोग नहीं।

हिब्रू अंततः विद्वानों की भाषा बन गई। लेकिन हिब्रू काफी समय तक एक जीवंत भाषा बनी रही। यहाँ तक कि यीशु के समय तक, हम देख सकते हैं कि हिब्रू उस समय भी बाज़ार में बोली जाने वाली भाषा थी क्योंकि हमारे पास उस समय की बालसम जार और इस तरह की चीज़ों पर द्विभाषी शिलालेख हैं।

तो, हिब्रू भाषा जारी रही, लेकिन हिब्रू में आम लोगों की भाषा, एक तरह की अश्लील हिब्रू और फिर विद्वानों की भाषा के बीच एक तरह का विभाजन था, जो अंततः मिश्राइक हिब्रू बन गई। लेकिन यह एक अलग कहानी है। तो फिर, साइरस के शासनकाल में, बहुत संभव है कि मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हुआ हो।

लेकिन किसी कारण से यह अचानक रुक गया और कुछ समय तक इसे फिर से शुरू नहीं किया गया। अब, साइरस के दिनों के बाद, हम लगभग इसके विपरीत स्थिति देखते हैं, उनके बेटे कैम्बिसेस के साथ स्थिति। कैम्बिसेस का शासन लंबे समय तक नहीं चला।

उन्होंने कई वर्षों तक शासन किया, लेकिन साइरस ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी नामित किया था। हमने साइरस सिलेंडर में उनके पसंदीदा बेटे के रूप में उनका नाम देखा। और साइरस की मृत्यु के बाद उन्हें पदभार संभालने के लिए नामित किया गया था।

यह संभव है कि कैम्बिसेस ने सिंहासन पर अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए अपने ही भाई की हत्या कर दी हो। यह भी ग्रीक दुष्प्रचार का हिस्सा हो सकता है। हमें नहीं पता।

लेकिन कहानी के अनुसार, उसका एक भाई था जिसका नाम बार्डिया था जिसे कैम्बिसेस ने यह सुनिश्चित करने के लिए मार डाला था कि कोई प्रतिद्वंद्वी न रहे। इस कैम्बिसेस को स्मेरडिस नाम से भी जाना जाता है, जो कि एक तरह से अजीब है। लेकिन हमने जो विवरण पढ़ा है, उसके अनुसार इस स्मेरडिस को छद्म स्मेरडिस के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि जाहिर तौर पर इस

व्यक्ति ने कैम्बिसेस के भाई की जगह ली थी, जिसका नाम स्मेरडिस था, जो कि कैम्बिसेस के भाई जैसा ही दिखता था।

मुझे नहीं पता। लेकिन किसी भी हालत में, यही कहानी है। यह हमारे पास है।

कैम्बिसेस राजा बन जाता है। वह जाहिर तौर पर अपने भाई को मार देता है। और फिर जाहिर तौर पर यह दूसरा आदमी, स्मेरडिस, कहता है, अरे, मैं कैम्बिसेस का भाई, बार्डिया हूँ।

मुझे राजा बनना चाहिए। खैर, कैम्बिसेस ने फैसला किया कि वह मिस्र को फ़ारसी साम्राज्य में शामिल करने जा रहा है। और वह मिस्र की ओर कूच करता है।

और 525 ईसा पूर्व में, उसने मिस्र पर विजय प्राप्त की। उसे मिस्र का फिरौन घोषित किया गया। अब, दिलचस्प बात यह है कि साइरस के विपरीत, कैम्बिसेस का रवैया काफी असहिष्णु था, खासकर मिस्र के धर्म के प्रति।

मिस्रवासियों के पास एक बैल था जिसे एपिस बैल कहा जाता था। एपिस बैल, मुझे यहाँ एक मिनट के लिए रुकना चाहिए। मिस्रवासियों का मानना था कि एपिस बैल सूर्य देवता रा का अवतार है।

और इसलिए जब भी बैल मरता है, वे बैल को शव-संरक्षण देते हैं। और फिर एक नया बैल उसकी जगह ले लेता है, जो सूर्य देवता का एक नया अवतार होता है। खैर, कहानी यह है कि जब कैम्बिसेस मिस्र में था, तो किसी कारण से, उसने इस बैल को मारने का बीड़ा उठा लिया।

और, जाहिर है, यह बात मिस्रियों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। तो, क्या उसने ऐसा किया? हमें नहीं पता। हम बस इतना जानते हैं कि यूनानियों को कहानी सुनाना बहुत पसंद है।

खैर, जब कैम्बिसेस मिस्र में था, तो यह साथी बर्दिया या स्मेरडिस या जो भी वह था, उसने फैसला किया कि वह खुद को राजा घोषित करेगा, फारसी साम्राज्य का असली राजा। और इसलिए, जबकि ये सभी लोग भ्रमित हैं क्योंकि यह साथी कैम्बिसेस के भाई से काफी मिलता-जुलता है, खैर, मिस्र में कैम्बिसेस वास्तव में इसके बारे में कुछ भी करने में असमर्थ है। अब, बर्दिया लोगों को कैसे खुश करता है? खैर, वह तुरंत कर छुट्टी की घोषणा करता है।

क्या पता? अब मैं राजा हूँ। किसी को भी टैक्स नहीं देना पड़ता। अच्छा, जी।

तो अचानक, वह लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया। खैर, कैम्बिसेस जानता है कि वह इसे जाने नहीं दे सकता। इसलिए, वह फारस की ओर वापस जाने की जल्दी में है।

फारस जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो जाती है। अब, बहुत से लोग सोचते हैं कि उसने आत्महत्या कर ली क्योंकि उन्हें लगता है कि उसके भाई की हत्या का अपराध उजागर हो गया था। वे कह रहे हैं कि शायद यह बर्दिया वास्तव में उसका भाई था।

फिर से, इस बारे में कई तरह के रहस्य हैं। हेरोडोटस ने जिस तरह से कहानी बताई है, वह यह है कि यह एक दुर्घटना थी, लेकिन एक दैवीय रूप से नियुक्त दुर्घटना, कि वह अपने घोड़े पर चढ़ रहा था, और उसकी तलवार किसी तरह से उसी जगह पर उसे छुरा घोंपने में कामयाब हो गई, जहाँ उसने एपिस बैल को छुरा घोंपा था। और इसलिए, हेरोडोटस के अनुसार, यह दैवीय प्रतिशोध था कि उसकी मृत्यु हो गई।

हम नहीं जानते कि वह कैसे मरा। हम नहीं जानते कि वह क्यों मरा। हम जानते हैं कि वह मर गया।

और इसलिए, हमारे पास फारस में एक व्यक्ति है जो खुद को कैम्बिसेस का भाई कहता है। और हमारे पास कुछ अन्य लोग हैं, कुछ फारसी कुलीन लोग जो इस व्यक्ति को पसंद नहीं करते। और विशेष रूप से यहाँ, हम डेरियस द ग्रेट के बारे में बात कर रहे हैं, जो हमें बताता है कि क्यों और कैसे उसे झूठ के राजा, इस बर्दिया, इस छद्म भाई को कुछ कुलीन लोगों की मदद से पदच्युत करना पड़ा।

यह एक अद्भुत कहानी है, जिस तरह से हेरोडोटस इसे बताता है, और बेहिस्टन शिलालेख भी हमें कहानी के बारे में कुछ बताता है। हम जो कह सकते हैं वह यह है कि उसने बार्डिया के खिलाफ सात महान कुलीन राजकुमारों को एकजुट किया, और उन्होंने एक समझौता किया कि वे फिर बार्डिया को पदच्युत कर देंगे, और फिर वे आपस में चुनेंगे कि राजत्व का उत्तराधिकारी कौन होगा। डेरियस साइरस द ग्रेट का चचेरा भाई होने का दावा करता है, जो उसे नया राजा बनने का वास्तविक श्रेय देता है।

लेकिन जिस तरह से वह राजा बनता है, उसका उसके वंश से कोई खास लेना-देना नहीं है। और हम यहाँ थोड़ी देर में उस कहानी पर आएँगे। लेकिन हमने पाया कि एक बार जब हमने सात राजकुमारों को एक कर दिया... यहाँ इस कहानी को बताने के लिए थोड़ा समय निकालें।

हेरोडोटस द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार, सात महान राजकुमारों ने फ़ारसी साम्राज्य का नया सम्राट बनने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित करने का फैसला किया। और उन्होंने अपने घोड़ों का उपयोग करके ऐसा करने का फैसला किया। और जिस व्यक्ति का घोड़ा सुबह सबसे पहले अपने खलिहान से बाहर निकलेगा, वह फ़ारसी साम्राज्य का राजा बन जाएगा।

यह वास्तव में सम्राट चुनने का सबसे अच्छा तरीका नहीं लगता। लेकिन एक तरह से, इसमें प्रामाणिकता की एक तरह की झलक है क्योंकि हम जानते हैं कि फारसियों को अपने घोड़ों पर बहुत ज़्यादा भरोसा था और वे अपने घोड़ों को ईश्वरत्व के विस्तार और इस तरह की चीज़ों के रूप में देखते थे। लेकिन किसी भी तरह, डेरियस का घोड़ा अपने ग्रूम की कुछ बहुत ही चतुर चालों के कारण पहले उभरने में कामयाब रहा।

और इस तरह डेरियस फारसी साम्राज्य का राजा बन गया। अब, फारस के लोग और उनके द्वारा जीते गए कई इलाके इस बात से खुश नहीं थे। उन्हें कर में छूट मिलना पसंद था।

लेकिन डेरियस को तुरंत ही पता चलता है कि उसके हाथों में विद्रोहों की एक श्रृंखला है। और इसलिए, उसे इन्हें दबाना पड़ता है। उसे यह भी पता चलता है कि एशिया माइनर में कई यूनानी उपनिवेशों ने इस समय अपनी स्वतंत्रता का दावा करने का फैसला किया है।

और वह फारसियों की शक्ति के आगे उन्हें भी झुकाने में कामयाब हो जाता है। उसके राज्य में एक और वृद्धि हुई, मैसेडोन और थ्रेस ग्रीक लोगों के दायरे में आ गए। वह इन क्षेत्रों को भी अपने राज्य में जोड़ने में कामयाब रहा।

इसलिए, जब तक वह अपना काम पूरा करता, तब तक डेरियस एक बहुत बड़ा साम्राज्य इकट्ठा करने में कामयाब हो चुका था। उसने जो कुछ किया, उसका विवरण बेहिस्टन शिलालेख में दर्ज है। लेकिन अन्य बातें हमें दूसरे स्रोतों से मिलती हैं क्योंकि कुछ यूनानी इतिहासकार भी डेरियस से बहुत प्रभावित थे।

उन्होंने जो काम किया, उनमें से एक था सिक्कों का मानकीकरण करना। उन्होंने डेरिक नामक एक सिक्का बनाया। आप जानते हैं, इसका नाम अपने नाम पर रखें।

खैर, उन्होंने इस चीज़ का आविष्कार किया, तो क्यों नहीं? लेकिन एक ही सिक्के का इस्तेमाल पूरे फ़ारसी साम्राज्य में किया जा सकता था। यह पहली बार था जब किसी ने ऐसा कुछ करने के बारे में सोचा था। इसलिए, यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक उपलब्धि थी जिसका बाद में बहुत से लोगों ने अनुसरण किया और नकल की।

एक और काम जो उसने किया, उसने साम्राज्य को 20 भागों में पुनर्गठित किया, जिन्हें हम क्षत्रप कहते हैं, या जिन्हें हम क्षेत्र या प्रशासनिक जिले कह सकते हैं। और इनमें से प्रत्येक पर उसने एक गवर्नर नियुक्त किया। और गवर्नर उस राज्य, उस क्षेत्र का मूल निवासी होता था।

इसलिए, वे रिपोर्ट कर रहे थे, लोग किसी ऐसे व्यक्ति को रिपोर्ट कर रहे थे जो उनके जैसा दिखता था, जो उनकी भाषा बोलता था, जो उनकी संस्कृति को जानता था। और फिर ये क्षत्रपों के प्रमुख, क्षत्रप तब, निश्चित रूप से, सीधे राजा को रिपोर्ट करते थे। उन्होंने पहली डाक प्रणाली बनाई।

डेरियस के समय से पहले, अगर लोग एक जगह से दूसरी जगह संदेश भेजना चाहते थे, तो उन्हें आम तौर पर संदेश पहुंचाने में बहुत मुश्किल होती थी क्योंकि उन्हें कई अलग-अलग चैनलों से गुजरना पड़ता था। खैर, डेरियस ने लेखकों का उपयोग करके एक प्रणाली बनाई जो एक जगह से दूसरी जगह जाती थी ताकि संदेश को साम्राज्य के एक हिस्से से उसके सबसे दूर के इलाके तक बहुत कम समय में पहुँचाया जा सके। परिचित लग रहा है? यह पोनी एक्सप्रेस का मॉडल था जिसका इस्तेमाल संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत कम समय के लिए किया गया था क्योंकि इसे जल्द ही टेलीग्राफ द्वारा बदल दिया गया था।

लेकिन किसी भी मामले में, पोनी एक्सप्रेस का शाब्दिक रूप से डेरियस की डाक प्रणाली के अनुरूप मॉडल बनाया गया था। हेरोडोटस ने लेखकों द्वारा इस्तेमाल किए गए आदर्श वाक्य के बारे में कुछ दर्ज किया, जिसे अमेरिकी डाक प्रणाली ने अपनाया। आपको याद होगा, अगर आप

काफी बूढ़े हैं, तो न तो बारिश, न ही बर्फ और न ही रात का अंधेरा इन कूरियर को उनके नियत दौरों से रोक पाएगा।

उन्होंने सोने और चांदी के मूल्य का अनुपात भी तय किया, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी क्योंकि इसका मतलब था कि हर कोई जानता था कि उनके पैसे की कीमत कितनी है। सिक्का बनाना, सोने और चांदी के मूल्यों का मानकीकरण तय करना, इन सभी चीजों ने साम्राज्य को बहुत मजबूत वित्तीय आधार पर रखा। उन्होंने कानून संहिताओं को संहिताबद्ध किया।

और यह डेरियस की उपलब्धियों में से एक है जो वास्तव में यहूदियों के लिए प्रमुखता से गिना जाता है। तो यहाँ आपको भारत से लेकर मिस्र तक फैला हुआ एक विशाल साम्राज्य मिला है। शायद वहाँ सौ से ज़्यादा जातीय समूह हैं।

उनमें से कई लोगों के अपने कानून थे। उनमें से कई लोगों के अपने रीति-रिवाज थे। और डेरियस, ज़्यादातर मामलों में, लोगों को अपने कानून और रीति-रिवाज रखने देने के पक्ष में था।

हालाँकि, वह उन कानूनों और रीति-रिवाजों को संहिताबद्ध करना चाहता था। वह उन्हें मानकीकृत करना चाहता था। तो, उदाहरण के लिए, आइए यहाँ यहूदियों को एक बेहतर रीति उदाहरण के रूप में लें।

आपके पास यहूदिया में रहने वाले यहूदी हैं। आपके पास फारस में रहने वाले यहूदी हैं। आपके पास मिस्र में रहने वाले यहूदी हैं।

अब, मान लीजिए कि फारस में रहने वाला एक यहूदी कहता है, ठीक है, आप जानते हैं, मैं शनिवार, रविवार या सोमवार को काम नहीं कर सकता, क्योंकि वे मेरे सप्ताह के दिन हैं। मेरे कानूनों में ऐसा ही लिखा है, लानत है। जबकि, आप जानते हैं, यहूदिया में यहूदी कहते हैं, नहीं, यह सिर्फ शनिवार है।

तो फिर डेरियस को यहूदियों के कानून के बारे में कैसे पता चलेगा? खैर, वह उन सभी कानूनों को संहिताबद्ध करना चाहता था। और वह चाहता था कि वे मानकीकृत हों। और यह पूरे फ़ारसी साम्राज्य में एक नीति बन जाए।

और हम इसे बाद में देखेंगे, जहाँ यह फिर से खेला जाएगा। लेकिन उस नीति के कारण, यहूदियों के कानून बहुत अधिक समरूप कार्य बन गए। आप जानते होंगे कि फारस में यहूदी क्या थे।

आप जानते होंगे कि यहूदिया में यहूदी क्या थे। आप जानते होंगे कि मिस्र में यहूदी क्या थे, क्योंकि वे सभी एक ही कानून का पालन करते थे। और यह, ज़ाहिर है, सिर्फ एक ही लोग थे, क्योंकि वहाँ दूसरे लोग भी थे, कई दूसरे लोग।

उसके पास कुछ बुनियादी कानून थे जिन्हें सभी लोगों को समझना और उनका सम्मान करना था। आप जानते हैं, आपको अपने करों का भुगतान करना होगा। आप अपने पड़ोसियों को नहीं मार सकते।

आपको पड़ोसी समुदाय पर आक्रमण करने या ऐसा कुछ भी करने की अनुमति नहीं है। लेकिन साथ ही, वह लोगों को अपनी मर्जी से काम करने की अनुमति देने के लिए तैयार था, बशर्ते यह स्पष्ट हो कि उनकी अपनी मर्जी क्या है। और एक और बात यह भी है कि साइरस की तरह ही, उसने बहुत सारे महल और बहुत सारे मंदिर बनवाए।

तो, हो सकता है कि डेरियस ने किसी संदिग्ध परिस्थिति में राजपद संभाला हो, लेकिन उसने फारसी साम्राज्य को वाकई बहुत मजबूत नींव पर खड़ा किया, और उसकी उपलब्धियों को आने वाले कई सम्राटों ने वास्तव में काँपी किया। इसलिए खास तौर पर यहूदियों के लिए उसने जो कुछ किया, उनमें से एक यह था कि उसने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए जेरुब्बाबेल को यरूशलेम भेजा था। जेरुब्बाबेल राजा दाऊद का वंशज था।

और फिर, यरूशलेम में इस व्यक्ति की उपस्थिति बहुत ही आनन्द का अवसर थी। और हमारे पास जकर्याह और अन्य जैसे भविष्यद्वक्ता हैं जो जेरुब्बाबेल की उपस्थिति के बारे में उत्साहित हैं। और हमारे पास वह अद्भुत श्लोक है जिसे लोग संदर्भ से बाहर उद्धृत करना पसंद करते हैं, आप जानते हैं, न तो शक्ति से, न ही शक्ति से, बल्कि मेरी आत्मा से, प्रभु कहते हैं।

खैर, पूरी बात पढ़ें। ये शब्द जेरुब्बाबेल को संबोधित हैं। न तो शक्ति से, न ही शक्ति से, बल्कि मेरी आत्मा से यह मंदिर बनाया जाएगा, प्रभु परमेश्वर कहते हैं।

और वह कहता है कि तुम्हारे सामने एक उबड़-खाबड़ रास्ता है, जेरुब्बाबेल। मैं उस रास्ते को समतल बना दूँगा। अब, उस समय-सीमा में मंदिर का पुनर्निर्माण हो चुका है।

हालाँकि, यह अजीब बात है, क्योंकि मंदिर के पूरा होने पर जेरुब्बाबेल चला गया। हमें नहीं पता कि जेरुब्बाबेल का क्या हुआ। यह स्थिति शेषबाजार के साथ हुई स्थिति से काफी मिलती-जुलती है, जो पहले आया था।

ऐसा लगता है कि वह कहानी से गायब हो गया है। इसलिए हम नहीं जानते। हम जानते हैं कि उसने मंदिर की नींव रखी थी।

हम जानते हैं कि वह डेरियस के संरक्षण में इसकी स्थापना में शामिल था। लेकिन जाहिर है, वह इसे पूरा करने के लिए जिम्मेदार नहीं था। इसलिए, यह एक रहस्य की तरह है।

तो, यह दारा के अधीन था, और उसके समय में मंदिर का निर्माण पूरा हुआ, 515 ई.पू. उन्होंने मानकीकरण की अपनी पूरी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में यहूदी कानूनों के मानकीकरण को प्रोत्साहित किया। यह उनके काम और उनकी नीतियों के कारण हो सकता है जिसने धर्मग्रंथों को विहित करने को प्रोत्साहित किया।

अब, थोड़ी देर बाद एज्रा नाम का एक व्यक्ति आने वाला है। और आमतौर पर, लोग एज्रा को पहली बाइबल बनाने के लिए जिम्मेदार मानते हैं। लेकिन निश्चित रूप से एज्रा, मुझे लगता है, राजा दारा के दिनों में शुरू हुई प्रक्रिया का लाभार्थी है।

उसने पूरे साम्राज्य में यहूदियों के प्रसार को प्रोत्साहित किया। उसने ऐसा कैसे किया? बस इसे सुरक्षित बनाकर और अवसर पैदा करके। यहूदियों के लिए फारस जाना सुरक्षित था।

उनके लिए एशिया माइनर जाना सुरक्षित था। उनके लिए मिस्र जाना सुरक्षित था। डेरियस के साम्राज्य में किसी भी जगह यात्रा करना काफी सुरक्षित था।

अपने राष्ट्रीय मूल के कारण परेशान किए जाने या परेशान किए जाने की बहुत ज़्यादा चिंता नहीं थी, क्योंकि हर कोई फ़ारसी साम्राज्य का हिस्सा था। और इसलिए, उस समय फ़ारस का हिस्सा होने के बारे में एक तरह की राष्ट्रवादिता थी। और आप इसके बारे में कुछ सकारात्मक भावनाएँ भी कह सकते हैं।

अब, दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी घटनाओं में से एक और सबसे बड़ी घटना पूर्व और पश्चिम के बीच पहला टकराव, फ़ारसी युद्ध है। तो, आप यहाँ इस नक्शे में देख सकते हैं, इस तट के साथ यहाँ कई छोटे लाल धब्बे हैं। और वे सभी ग्रीक उपनिवेश हैं, एशिया माइनर में यूनानियों द्वारा स्थापित उपनिवेश।

लेकिन आप इस बड़े नारंगी रंग से यह भी देख सकते हैं कि वे सभी छोटी यूनानी कॉलोनियाँ फ़ारसी साम्राज्य में हैं। और यूनानियों को लगा कि फ़ारसी, ठीक है, यूनानियों को लगा कि फ़ारसी लोगों का यूनानियों पर हावी होना गलत था क्योंकि यूनानी बहुत ही जातीय-केंद्रित लोग थे। आप जानते हैं, अगर आप यूनानी नहीं हैं तो बाकी सभी लोग बर्बर हैं।

वैसे, उन दिनों हर कोई जातीय-केंद्रित था, लेकिन यूनानी लोग ज़्यादा थे। है न? वैसे, फ़ारसी युद्ध वास्तव में मिलेटस के विद्रोह से शुरू हुआ, जो, मेरा मानना है, यहाँ ठीक नीचे है, इसे देखना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मेरा मानना है कि यह वहाँ नीचे है। मिलेटस ने 500 ईसा पूर्व में फ़ारसी साम्राज्य के खिलाफ़ विद्रोह किया था।

और बेशक, फ़ारसियों ने विद्रोह को दबा दिया, और इससे यूनानियों को गुस्सा आ गया। क्योंकि उनके सोचने के तरीके के अनुसार, यूनानियों को बर्बर शासन से मुक्त होने का अधिकार था। और इस विद्रोह के दमन में एक निश्चित मात्रा में क्रूरता भी शामिल थी।

डेरियस ने फैसला किया कि वह अपने राज्य का विस्तार ग्रीक भूमि में करेगा। 492 ईसा पूर्व में, उसने ग्रीस में बेड़े भेजे, और उसे इन क्षेत्रों, थ्रेस और मैसेडोन पर अपना नियंत्रण फिर से स्थापित करना पड़ा, क्योंकि वे कुछ समय के लिए फ़ारसी शासन से मुक्त होने में कामयाब रहे थे। हालाँकि, इस प्रक्रिया में, उसने पाया कि वे जल बहुत ही खतरनाक हो सकते हैं।

और वास्तव में, फ़ारसियों को कई बार पता चला कि ये पानी बहुत ही खतरनाक हो सकता है। और उन्होंने अपने कई जहाज खो दिए जो चट्टानों पर टूट गए। संघर्ष की सबसे प्रसिद्ध लड़ाइयों में से एक मैराथन की लड़ाई है।

मैराथन यहीं इस क्षेत्र में है। और यहाँ जो हुआ वह यह था कि फ़ारसी सैनिक और यूनानी सैनिक वास्तव में ग्रीक मुख्य भूमि में लड़ रहे थे। और फ़ारसी लोग यूनानियों से बुरी तरह हार गए।

और जो हुआ, वह यह कि किंवदंती के अनुसार, एक धावक जीत की खबर देने के लिए मैराथन से एथेंस तक दौड़ा। और जैसे ही उसने अपनी दौड़ पूरी की और कहा, हम जीत गए, वह तुरंत मर गया। खैर, मैराथन से एथेंस तक 26 मील।

और इसीलिए, निश्चित रूप से, हमें 26 मील की दौड़ का नाम मैराथन दिया गया है, जो आज भी कई लोगों को अपना शिकार बनाती है। खैर, शायद नहीं। लेकिन वैसे भी, 487 में, मिस्र ने फारसी साम्राज्य के खिलाफ विद्रोह किया था।

इसलिए, यूनानियों को या बल्कि फारसियों को नीचे जाना होगा और मिस्रियों के विद्रोह को दबाने का ध्यान रखना होगा। और इसलिए, उन्हें उस समय यूनानियों के खिलाफ अपने युद्धों को रोकना होगा। और इस तरह फारसी युद्धों का पहला सेट समाप्त हो गया।

486 ई.पू., डेरियस की मृत्यु किसी बीमारी से हुई। हम वास्तव में नहीं जानते कि किस बीमारी से। बहुत संभव है कि प्राकृतिक कारणों से।

इस समय तक वह काफी बूढ़ा हो चुका था। लेकिन, आप जानते हैं, हर कोई हमेशा यह अनुमान लगाता रहता है कि शायद उसे जहर दिया गया था या ऐसा कुछ। लेकिन फिर भी, हम यह कह सकते हैं कि जब वह मरा, तब फ़ारसी साम्राज्य मज़बूत था और लाभदायक और, मैं कहूँगा, व्यवस्थित शासन के लंबे इतिहास के लिए तैयार था।

दुर्भाग्य से, ऐसा इसलिए नहीं हुआ क्योंकि उनके कुछ उत्तराधिकारी अयोग्य थे। लेकिन यह बात यहाँ थोड़ी आगे की है। इसलिए, एक सवाल जो लोग अक्सर सोचते हैं, वह यह है कि छोटी ग्रीक सेनाएँ बहुत बड़ी फ़ारसी सेनाओं को कैसे हरा सकती थीं? ऐसा कैसे हो सकता है? खैर, इसका एक हिस्सा अतिशयोक्ति है।

लगभग निश्चित रूप से, ग्रीक सेनाएँ फ़ारसी सैनिकों से 10 से 1 अधिक संख्या में नहीं थीं, लेकिन किसी तरह, वे उन सभी पर विजय पाने में सफल रहीं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि ग्रीक सेनाएँ अक्सर बहुत बड़ी फ़ारसी सेनाओं पर विजय पाने में सक्षम थीं। और इसके कई कारण हैं।

इसका एक कारण यह था कि सैनिक किस तरह के हथियार इस्तेमाल करते थे। फारसी घुड़सवार आमतौर पर कवच नहीं पहनते थे। दूसरी ओर, यूनानी सैनिक काफी भारी कवच पहनते थे।

और उन्होंने इन सुंदर ढालों और इन लंबी तलवारों और इन सुंदर लंबे भालों का इस्तेमाल किया। एक और बात यह भी थी कि यूनानी लोग बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित, युद्ध-कठोर अनुभवी थे। इसका कारण यह है कि यूनानी हमेशा एक-दूसरे से लड़ते रहते थे।

यूनानियों को एक-दूसरे से ज़्यादा विदेशियों से नफ़रत थी। लेकिन एथेनियाई लोग स्पार्टन्स से नफ़रत करते थे। स्पार्टन्स एथेनियाई लोगों से नफ़रत करते थे।

वे दोनों थेबंस से नफरत करते थे। वे कोरिंथियंस से नफरत करते थे। वहाँ हर कोई एक दूसरे से नफरत करता था।

वे लगातार लड़ रहे थे। और हर कोई लगातार युद्ध के लिए प्रशिक्षण ले रहा था। हर कोई युद्ध के लिए प्रशिक्षण ले रहा था।

इसे सबसे महान में से एक माना जाता था, और ग्रीस में एक असली आदमी के लिए योद्धा बनना ही एकमात्र काम था। वैसे, फारस में ऐसा नहीं था। फारसी लोग थोड़े शांत स्वभाव के थे।

सच तो यह है कि उनकी सेना में ज़्यादातर सैनिक थे, जिन्हें भाड़े के सैनिकों के तौर पर काम पर रखा गया था। इसलिए, वे अलग-अलग तरह की चीज़ों के लिए भी लड़ रहे थे। आपके पास ऐसे यूनानी हैं जो अपने राष्ट्रीय गौरव के लिए लड़ रहे हैं, अपनी ग्रीक श्रेष्ठता की रक्षा के लिए।

और फ़ारसी सेनाएँ पैसे के लिए लड़ रही हैं। इसलिए, उन विभिन्न प्रकार की प्रेरणाओं के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और अंत में विभिन्न प्रकार की रणनीतियों के साथ, एक चीज़ जिसके बारे में हम थोड़ी देर बाद बात करेंगे, वह है फालानक्स का उपयोग, जो एक उल्लेखनीय रूप से कुशल युद्ध तकनीक थी। यूनानी लोग कई बार बहुत बड़ी ताकतों को रोकने और उन पर विजय प्राप्त करने में सक्षम थे।

इसलिए, डेरियस के मरने के बाद, ज़ेरेक्सेस नाम का एक व्यक्ति उसके बाद आता है। और ज़ेरेक्सेस "300" मूवी से प्रसिद्ध हो गया है, और वहाँ उसे भगवान होने का दावा करते हुए दिखाया गया है और इस तरह की सभी बातें। ज़ेरेक्सेस ने कभी भी भगवान होने का दावा नहीं किया।

फ़ारसी राजाओं ने भगवान होने का दावा नहीं किया। हाँ, सच कहूँ तो यह ग्रीक लोगों की बात है। लेकिन किसी भी तरह, ज़ेरेक्सेस ने 485 से 465 ईसा पूर्व तक 20 साल तक शासन किया।

यह संभवतः उसकी एक तस्वीर है, क्योंकि हमारे पास ज़ेरेक्सेस की बहुत अच्छी तस्वीरें नहीं थीं। बहुत सी तस्वीरें बाद में विभिन्न तरीकों से खो गईं। लेकिन वह डेरियस का बेटा था, और अटोसा नाम की एक महिला का बेटा था, जो साइरस द ग्रेट की बेटी थी।

इसलिए, वास्तव में उनके पास सिंहासन पर अपने पिता की तुलना में अधिक मजबूत दावा है। लेकिन राजा बनने के बाद उनका पहला काम मिस्र में विद्रोह को दबाना है। और फिर बेबीलोनियों ने भी विद्रोह किया।

अब, यहाँ हम पाते हैं कि ज़ेरेक्सेस अपने दादा साइरस या अपने पिता डेरियस से अलग तरह का आदमी है। अपने तरीके से वह बहुत ज़्यादा निर्दयी था। अब, बेबीलोन में, उसने न केवल विद्रोह को बेरहमी से दबाया, और बहुत से लोगों का कल्लेआम करने के लिए जाना जाता था, बल्कि

उसने मिस्र के मुख्य देवता बेल या मर्दुक की मूर्ति को ले लिया, और बेबीलोन के लोगों को पूरी तरह से अपमानित करने के लिए उसे पिघलाकर लावा बना दिया।

अब याद कीजिए, बेशक, साइरस द ग्रेट ने यह अद्भुत सपना देखा था कि कैसे मर्दुक ने उसे बुलाया और उसका हाथ पकड़कर उसे बेबीलोन ले गया। और अब यहाँ ज़ेरेक्सेस अपनी मूर्ति को पिघला रहा है। उसने ग्रीस पर अपना पहला आक्रमण 480 ईसा पूर्व में किया था, 480 से 479 तक।

वह थर्मोपाइले दर्रे की इस अद्भुत लड़ाई के लिए प्रसिद्ध है। और इस लड़ाई को रोमांटिक और आदर्श बनाया गया है, लेकिन मूल रूप से कहानी यह है कि ज़ेरेक्सेस की फ़ारसी सेनाएँ एथेंस की ओर बढ़ते हुए अंतर्देशीय मार्च कर रही हैं। और एथेंस के लोगों को अपने लोगों को निकालने की ज़रूरत थी, क्योंकि वे उन सभी भयानक चीज़ों से डरते थे जो इन दुष्ट फ़ारसी लोगों द्वारा उनके लोगों के साथ की जा सकती थीं।

इसलिए जब एथेनियन अपने लोगों को निकाल रहे थे, तो स्पार्टन्स की एक टुकड़ी, 300 स्पार्टन सैनिकों ने उन्हें थर्मोपाइले दर्रे पर रोकने का फैसला किया। और कहानी के अनुसार, कई दिनों तक वे उन्हें रोकने में कामयाब रहे जब तक कि एथेनियन अपने शहर को खाली करने में कामयाब नहीं हो गए। एक को छोड़कर सभी स्पार्टन युद्ध में मारे गए।

और वह इतना शर्मिंदा था कि वह मर नहीं पाया और उसने खुद को मार डाला। हाँ, यूनानियों के अनुसार यही कहानी है। और हम, आप जानते हैं, इसे फिर से थोड़े नमक के साथ लेंगे।

यूनानियों के अनुसार, जब जेरेक्सेस एथेंस पहुंचा, तो उसने शहर को नष्ट कर दिया, लूट लिया, पूरी तबाही मचा दी, तथा सभी बड़े शहरों को जलाकर राख कर दिया।

एक बार फिर, यह यूनानियों के अनुसार है। और एक बार फिर, हम इसे संदेह के साथ लेते हैं। और इसका एक कारण यह है कि ऐसा कोई पुरातात्विक साक्ष्य नहीं है कि ऐसा वास्तव में कभी किया गया था, है न? यह पुरातत्व के अच्छे उपयोगों में से एक है, आप जानते हैं।

इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उसने वास्तव में एथेंस को जलाकर राख कर दिया था। और ऐसा लगता है कि फ़ारसियों के चरित्र में यह बात बिलकुल भी नहीं थी कि वे बेतहाशा विनाश के लिए प्रवृत्त थे। बेशक, मर्दुक की मूर्तियों को छोड़कर, जो लोग उनके खिलाफ विद्रोह कर रहे थे।

आखिरकार, एक बार फिर उन्हें पीछे हटना पड़ा। सलामिस में एक युद्ध हुआ, एक नौसैनिक युद्ध। और यह फ़ारसियों के लिए एक आपदा बन गया।

कहानी इसी तरह कही जाती है। यूनानियों के पास फ़ारसी जहाजों की तुलना में छोटे जहाज थे। फ़ारसी जहाज बहुत बड़े थे और उनका संचालन बहुत आसान नहीं था।

और फारसियों ने ग्रीक बेड़े को उथले पानी वाले क्षेत्र में ले जाने में कामयाबी हासिल की और ऐसी जगह जहाँ से गुजरना मुश्किल था। और फिर यूनानियों ने उन पर एक तरह से शिकंजा कस दिया। उनके बेड़े को लगभग खत्म कर दिया।

और मेरा मानना है कि यूनानी लोग इन चीज़ों के बारे में फिर से अद्भुत कहानियाँ सुनाते हैं। लेकिन एक कहानी यह बताई जाती है कि इस नौसैनिक युद्ध के कुछ नायकों में से एक फ़ारसी जहाज़ की एक महिला कमांडर थी। और ज़ेरेक्सेस निराश होकर बोला, मेरी औरतें पुरुष बन गई हैं और मेरे पुरुष औरतें बन गए हैं।

किसी भी हालत में, ज़ेरेक्सेस को पूर्व की ओर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बेबीलोनियों ने फिर से विद्रोह कर दिया। मुझे आश्चर्य है कि ऐसा क्यों हुआ। क्या इसका कारण शायद यह हो सकता है कि उसने उनके भगवान की मूर्ति को पिघला दिया था? शायद।

लेकिन वैसे भी, फारस में बची हुई सेना और ग्रीस में बची हुई फारसी सेना प्लाटिया की लड़ाई में हार गई, जो उल्लेखनीय है क्योंकि इसे वास्तव में बहुत ज़्यादा प्रसारित नहीं किया गया। आप जानते हैं, प्लाटिया या किसी भी चीज़ के बारे में किसी ने कोई बड़ी फ़िल्म नहीं बनाई है। कोई कॉमिक बुक या ऐसा कुछ भी नहीं।

और यहां तक कि यूनानियों ने भी इसे बहुत अधिक महत्व नहीं दिया। लेकिन वास्तव में इस युद्ध ने एक तरह से ज्वार के पलटने का संकेत दिया। क्योंकि प्लेटिया में फारसी सेना का वध ग्रीस में फारसी आक्रमणों की मृत्यु की घंटी थी।

ज़ेरेक्सेस का एक और उदाहरण जिसे हम असहिष्णुता कह सकते हैं, मैं इसे उसकी धर्मपरायणता का एक उदाहरण कहूंगा, वह था दैव शिलालेख। दैव एक इंडो-आर्यन शब्द है, एक फ़ारसी शब्द है। यह संभवतः देउस शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है, आप जानते हैं, भगवान।

लेकिन यह एक दिव्य आत्मा को संदर्भित करता है। और जोरास्ट्रियन के लिए, दैव राक्षस थे। अब, जोरास्ट्रियन धर्म, हम इसके बारे में थोड़ी देर में बात करने जा रहे हैं।

लेकिन ज़ेरेक्सेस के समय तक पारसी धर्म फ़ारसी साम्राज्य का प्रमुख धर्म बन चुका था। और ज़्यादातर मामलों में पारसी धर्म बहुत सहिष्णु धर्म था। लेकिन उनकी अपनी सीमाएँ थीं।

और राक्षसों की पूजा करना, जैसा कि वे उन्हें मानते थे, उन सीमाओं में से एक था। और इसलिए हमारे पास राजा ज़ेरेक्सेस का यह अद्भुत शिलालेख है जहाँ वह कहता है, जब मैं राजा बना, तो इन देशों में से एक देश विद्रोह कर रहा था। अहुरा मज़्दा, जो कि जोरास्ट्रियन के महान देवता हैं, ने मेरी सहायता की।

अहुरा मज़्दा की कृपा से मैंने उस देश को नष्ट कर दिया और उसे उसके स्थान पर गिरा दिया। और इन देशों में एक ऐसा स्थान था जहाँ पहले राक्षसों, दैवों की पूजा की जाती थी। बाद में अहुरा मज़्दा की कृपा से मैंने राक्षसों के उस अभयारण्य को नष्ट कर दिया।

और मैंने घोषणा की कि राक्षसों की पूजा नहीं की जाएगी। वाह, वहाँ धार्मिक हस्तक्षेप है, है न? जहाँ पहले राक्षसों की पूजा की जाती थी, वहाँ मैंने उचित समय और उचित तरीके से अहुरा मज़दा की पूजा की। और वहाँ अन्य व्यवसाय था जो बुरा किया गया था जिसे मैंने ठीक किया।

मैंने जो कुछ भी किया, वह सब अहुरा मज़दा की कृपा से किया। अहुरा मज़दा ने तब तक मेरी सहायता की जब तक मैंने काम पूरा नहीं कर लिया। तो यहाँ हम फ़ारसी सहिष्णुता की सीमाएँ देख रहे हैं।

देवताओं की पूजा करना, आप जानते हैं, और वे अन्य देशों के मुख्य देवताओं को अहुरा माज़दा के विभिन्न रूपों के रूप में मानते थे। इसलिए, वे यहूदियों के साथ बहुत अच्छी तरह से घुलमिल गए, जो कि दिलचस्प था। और हम बाद में इस पर थोड़ा और विस्तार से चर्चा करेंगे।

लेकिन जो प्राणी वे पारसी धर्म के तहत राक्षस माने जाते थे, वे उन आत्माओं की पूजा को बर्दाश्त नहीं करते थे। ज़ेरेक्सेस ने कुछ और काम किए। खैर, ज़ेरेक्सेस ने अमेस्ट्रिस नाम की एक महिला से शादी की, जो ओटानेस की बेटी थी, जो उन सात कुलीन लोगों में से एक थी, जो डेरियस को सम्राट के रूप में पद पर बिठाने के लिए जिम्मेदार थे।

मैं यह भी कहना चाहूँगा कि अमेस्ट्रिस ऐसी महिला नहीं थी जिससे आप शादी करना चाहेंगे। वह वास्तव में इतिहास की महानतम महिलाओं में से एक थी। और हम कह सकते हैं कि उसकी कई उपलब्धियों में से एक वह थी जब उसे पता चला कि उसके पति का किसी और के साथ संबंध था, जो कि, आप जानते हैं, उन दिनों में आम बात थी।

उसने उस महिला की माँ को क्षत-विक्षत कर दिया, जिसके साथ उसका संबंध था, उसकी नाक और स्तन काट दिए और उसे पूरी तरह से क्षत-विक्षत कर दिया और उसे सार्वजनिक रूप से इस तरह बाहर भेज दिया, ताकि वह शर्मसार हो जाए, अपने पति को संदेश दे कि वह इस तरह की हरकत फिर न करे। और यह भी कि वह अन्य कुलीन परिवारों पर अपना प्रभुत्व दिखाना चाहती थी, क्योंकि फारस में कुलीन लोगों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाता था, आप जानते हैं। बाद में, हमें बताया गया कि अपने जीवन के अंत के करीब, जब उसे पता चला कि वह मृत्यु के करीब पहुँच रही है, तो अपनी आत्मा को परलोक के लिए सुरक्षित रखने के लिए, उसने कुछ कुलीन युवकों को धरती में उल्टा दफना दिया, ताकि वे अंडरवर्ल्ड के देवताओं को भेंट चढ़ा सकें।

अब, यह किसी जोरास्ट्रियन की तरह नहीं लगता। लेकिन किसी भी तरह, और यह ग्रीक प्रचार हो सकता है, कौन जानता है। लेकिन किसी भी तरह, हर किसी ने सोचा कि यह एक बहुत ही डरावनी महिला थी, ऐसी महिला नहीं जिसके साथ आप खिलवाड़ करना चाहें।

एक और काम जो उसने किया वह था सभी राष्ट्रों के द्वार और पर्सेपोलिस में 100 स्तंभों का हॉल बनाना। पर्सेपोलिस प्राचीन दुनिया के महान शहरों में से एक था, और ज़ेरेक्सेस कई निर्माण परियोजनाओं के लिए जिम्मेदार था जिसने इसे इतना शानदार बना दिया। उसने अपादान,

डेरियस का महल और खजाना पूरा किया, जिसे डेरियस ने शुरू किया था लेकिन उसने पूरा नहीं किया था।

उन्होंने अपना खुद का महल बनवाया, जो उनके पिता के महल से दोगुना बड़ा था, बेशक, आप जानते हैं। 465 ईसा पूर्व में आर्टबिनस नामक एक व्यक्ति ने उनकी हत्या कर दी थी, जो शाही अंगरक्षक का कमांडर था, जो उस समय शायद दरबार में सबसे शक्तिशाली पद था, एक शाही खोजे की मदद से। और यह उन चीजों में से एक है जो इस समय से फारस में एक विषय बनने जा रही है, इन शाही खोजों की भूमिका है।

क्योंकि ये लोग शक्तिशाली और प्रभावशाली और खतरनाक हैं, क्योंकि ऐसा लगता है कि उनके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन दूसरी बातों में से एक, जो निश्चित रूप से, ज़ेरेक्सेस के बारे में महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से यहूदियों के लिए, वह यह है कि एस्तेर की कहानी ज़ेरेक्सेस के शासनकाल के दौरान सेट की गई है। अब, मुझे यह कहना होगा कि ऐतिहासिक रूप से एस्तेर की कहानी को फ़ारसी इतिहास के बारे में जो हम जानते हैं, उससे मेल खाना बहुत मुश्किल है।

कई विद्वानों ने प्रयास किया है, और कई समस्याओं का समाधान किया गया है। लेकिन मुझे लगता है कि एक समस्या जो हल नहीं हुई है, वह यह है कि, कई अलग-अलग इतिहासकारों के अनुसार, ज़ेरेक्सेस की पत्नी यहूदी एस्तेर नहीं, बल्कि एमेस्टिस नाम की एक दुष्ट महिला थी। इसलिए जब तक कोई इस समस्या का कोई चतुर समाधान नहीं निकाल लेता, हमें यह कहना होगा कि एस्तेर को इतिहास माना जाना चाहिए या नहीं, या शायद एक दृष्टांत के रूप में, यह एक खुला प्रश्न बना रहना चाहिए।

अर्तक्षत्र ने 465 से 424 ईसा पूर्व तक शासन किया, जो वास्तव में काफी लंबा शासनकाल था। वह ज़ेरेक्सेस और एमेस्टिस का पुत्र है, और ज़ेरेक्सेस की हत्या के बाद उसने सत्ता संभाली। इस समय तक, मुझे लगता है कि फारसी लोग यूनानियों से तंग आ चुके थे।

उन्होंने तय किया कि ग्रीस पर किसी भी तरह की विजय का प्रयास करना संभव नहीं है। इसलिए, ग्रीस पर सीधे हमला करने के बजाय, अर्तक्षत्र ने विभिन्न छोटे राज्यों और क्षेत्रों को बहुत सारा पैसा दिया जो यूनानियों के खिलाफ विद्रोह कर रहे थे। लड़के, यह किसी को भी परिचित लग सकता है जो आधुनिक राजनीति के बारे में कुछ भी जानता है, लेकिन अनिवार्य रूप से वे दावा कर सकते हैं, ओह, यह हम नहीं थे, वास्तव में, गंभीरता से, हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं था, आप जानते हैं? और यह ऐसा है, ठीक है, इन भालों पर पर्सेपोलिस में निर्मित क्यों छपा हुआ है, आप जानते हैं? तो हाँ, फारसी लोग लोगों को ग्रीक शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे, लेकिन खुद ऐसा नहीं कर रहे थे।

उन्होंने 449 ईसा पूर्व में एथेंस और आर्गोस के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मूल रूप से कहा गया था, हम आपको परेशान नहीं करेंगे और आप हमें परेशान न करें। इस बिंदु पर, हम जानते हैं कि पारसी धर्म बहुत स्पष्ट रूप से फारसी साम्राज्य का धर्म था, राज्य का धर्म। और यह वास्तव में यहूदियों के लिए अच्छा था, उन लोगों के लिए इतना अच्छा नहीं था जो दैव की पूजा करते थे, वे चीजें जिन्हें लोग राक्षस मानते थे।

लेकिन यहूदियों के लिए, यह बहुत अच्छा रहा, क्योंकि, जैसा कि हम अगले व्याख्यान में बात करने जा रहे हैं, पारसी धर्म और यहूदी धर्म के बीच बहुत सारी समानताएँ थीं, जिसने धर्मों को, एक तरह से, बहुत संगत बना दिया। और इसलिए वहाँ संवाद के लिए बहुत सारे आधार थे। और सबसे बड़ी बात जो उन्होंने यहूदियों के लिए की, वह यह थी कि उन्होंने एज्रा और नहेमायाह दोनों को काम सौंपा।

एज्रा इस समय यहूदा गया था, और बेशक, उसकी कहानी बाइबल में है, इसलिए हमें इसके बारे में विस्तार से नहीं बताना है। लेकिन एज्रा मूल रूप से यरूशलेम के लोगों तक मूसा के नियमों को पहुँचाने के काम के साथ गया था। और एक बात जो उल्लेखनीय है, वह यह है कि जब एज्रा लोगों के सामने खड़ा हुआ और मूसा के नियमों को पढ़ा, और यह बताता है कि लोग रोए और अपने कपड़े फाड़ दिए क्योंकि उन्होंने कहा, हम इन बातों को नहीं जानते थे।

जैसे, आप आश्चर्य करते हैं, अच्छा, उन्हें यह कैसे पता नहीं चल सकता था? शायद उन दिनों बाइबल हर किसी की किताबों की अलमारी में नहीं थी। तो हाँ, और न केवल कुछ लोगों ने दावा किया है, आप जानते हैं, यह सिर्फ एज्रा की किताब है। हम इस पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? खैर, हमारे पास वास्तव में कुछ पुरातात्विक साक्ष्य हैं जो इनमें से कुछ दावों का समर्थन करते हैं, और हम इसके बारे में थोड़ी देर में बात करने जा रहे हैं।

नहेमायाह, बेशक, यरूशलेम की दीवार के पुनर्निर्माण के लिए जिम्मेदार है। और जैसा कि मैंने पहले बताया, बेशक, इसे आवश्यक माना गया था। हम जानते हैं कि यहूदिया के पड़ोसी, उस समय यहूदा, या यहूद, जैसा कि उस फारसी काल के दौरान जाना जाता था, यहूद के पड़ोसी नहीं चाहते थे कि दीवार का पुनर्निर्माण हो क्योंकि इसका मतलब होगा कि यरूशलेम शहर फिर से उठ खड़ा होगा।

यह एक शहर बन रहा था। यह सुरक्षित बन रहा था। यह एक ऐसी जगह बन रही थी जहाँ लोग इस बात पर गर्व कर सकते थे कि वे कौन हैं और कहाँ रहते हैं।

इसलिए, बहुत विरोध हुआ, लेकिन अर्तक्षत्र के अधीन, यहूदियों को वे संसाधन दिए गए जिनकी उन्हें उस दीवार को पूरा करने के लिए आवश्यकता थी। इसलिए, अर्तक्षत्र के समय के बाद, हम उस दौर में प्रवेश कर गए जिसे फ़ारसी साम्राज्य का सांस्कृतिक चरण कहा जाता है। इस समय के दौरान, वे वास्तव में विजय में रुचि नहीं रखते थे, और वास्तव में वे प्रशासन में भी रुचि नहीं रखते थे।

हम इसे सांस्कृतिक चरण कहते हैं क्योंकि इस युग के दौरान कई निर्माण परियोजनाएं, कलाकृतियाँ और साहित्य तथा अन्य चीजें विकसित और विस्तारित की गईं। इन लोगों द्वारा बहुत अधिक महान उपलब्धियाँ हासिल नहीं की गईं। डेरियस द्वितीय ने 20 वर्षों तक शासन किया।

हम जानते हैं कि जब एथेनियन के खिलाफ युद्ध चल रहा था, तब उसने स्पार्टन्स की मदद की थी, जो थर्मोपाइले दर्रे की पूरी लड़ाई के बाद एक तरह से विडंबनापूर्ण था। 404 से 358 तक, आर्टैक्सरेक्सिस द्वितीय ने कई मंदिरों का निर्माण किया और अपने साम्राज्य के आसपास के

विभिन्न स्थानों को पुनर्निर्माण करने और उनके देवताओं के घरों को महिमामंडित करने में बहुत सारा पैसा लगाया। लेकिन इस समय तक, फारसी साम्राज्य के मूल में सड़ांध पहले से ही थी।

जैसा कि मैंने पहले ही थोड़ा सा संकेत दिया है, फारसी लोग वास्तव में आक्रामक लोग नहीं थे। वे युद्धप्रिय लोग नहीं थे। वे, अधिकांशतः, इस समय तक, डेरियस और उससे पहले साइरस की उपलब्धियों पर निर्भर थे, जो, आप जानते हैं, एक बढ़िया आधार है।

लेकिन इस अवधि के लोग, मैं ग्रेजुएट स्कूल में अपने प्रोफेसरो में से एक था, उन्होंने कहा, आप जानते हैं, हम इन लोगों को आदर्श मानते हैं, लेकिन इसका सामना करते हैं, वे अत्याचारी थे, खासकर जब आप अंतिम सम्राटों की बात करते हैं। ये लोग बहुत ही अक्षम थे और साम्राज्य और साम्राज्य के संसाधनों के कुप्रबंधन में बहुत अच्छे थे। आर्टैक्सरेक्स III, 558 से 338 ईसा पूर्व तक, उसने अपने भाइयों की हत्या करके अपना शासन शुरू किया।

उनमें से आठ सौतेले भाई हैं। यह न्यायियों की पुस्तक की कहानी की तरह लगता है। इस तरह उसने अपना सिंहासन सुरक्षित किया।

बागोआस नाम के एक व्यक्ति द्वारा जहर दिए जाने के कारण हुई। और यह आदमी बार-बार सामने आता है।

यह साथी बागोआस दरबार का एक हिजड़ा था। और एक बार फिर, इस समय हिजड़े फारसी राजनीति के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण बन रहे हैं। हिजड़ों के बारे में थोड़ा-बहुत, आप जानते हैं।

आप यह नहीं जानना चाहेंगे कि वे किस तरह से हिजड़े बनाते थे, क्योंकि यह बहुत ही भयानक है। इसके दो मुख्य तरीके थे और उनमें से कोई भी सुखद नहीं था। लेकिन अक्सर, जब कोई राष्ट्र किसी दूसरे राष्ट्र पर विजय प्राप्त करता था, तो श्रद्धांजलि का एक हिस्सा युवा लड़कों को दिया जाता था जिन्हें हिजड़े बना दिया जाता था।

नपुंसक पुरुष जो कथित तौर पर वफ़ादार प्रजा और सेवक के रूप में काम करेंगे। उन पर बहुत सारी ज़िम्मेदारियाँ सौंपी जा सकती हैं क्योंकि आपको उनके वंश को आगे बढ़ाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। आप जानते हैं, अगर आप एक हिजड़ा हैं, तो आप बाद में बच्चे पैदा नहीं करेंगे।

और उन दिनों में, अगर आपके पास ऐसे बच्चे नहीं थे जो आपकी विरासत को आगे बढ़ा सकें, तो वाकई बहुत महत्वाकांक्षी होने का कोई कारण नहीं था। इसलिए हिजड़ों को बहुत सारी ज़िम्मेदारियाँ सौंपी जाती थीं, उनमें से एक, बेशक, हरम की देखभाल करना था। लेकिन इसके अलावा भी कई ज़िम्मेदारियाँ हैं।

अक्सर, नपुंसक ही प्याले-भरने वाले होते थे। उदाहरण के लिए, नहेमायाह की भूमिका के बारे में यह एक सवाल रहा है, जो राजा के लिए प्याला-भरने वाला था। आप जानते हैं, वह नपुंसक था या नहीं? लेकिन यह अनिश्चित है।

हम नहीं जानते। लेकिन हिजड़े, इस तथ्य के कारण कि उन पर अक्सर विद्रोही न होने का भरोसा किया जाता था, बहुत अधिक अधिकार वाले पदों पर होते थे। और यह आदमी, बागोआस, जाहिर तौर पर सबसे चालाक लोगों में से एक था।

हम कह सकते हैं कि वह अपने तरीके से राजा बनाने वाला था और राजा को छीनने वाला भी क्योंकि यह बहुत संभव है कि वह आर्टैक्सरेक्स III की हत्या में शामिल था। आर्टैक्सरेक्स IV, 338 से 336, का यहाँ बहुत कम समय तक शासन रहा। उसकी हत्या बागोआस ने की थी, और हम इस बात को पक्के तौर पर जानते हैं।

बागोआस ने सिंहासन पर बिठाया था। अब, किसी ऐसे व्यक्ति की एक कहावत है जिसे आप जानते होंगे, जो कहता है, जो तलवार से जीता है, वह तलवार से ही मरेगा।

खैर, डेरियस ने बागोआस को अपनी जान लेने के लिए मजबूर किया, उसे मूल रूप से यह विकल्प दिया कि या तो तुम खुद को मार डालो या मैं तुम्हें मार डालूंगा। और बागोआस ने खुद को मार डाला, और इस तरह वह तस्वीर से बाहर हो गया। लेकिन अन्यथा उसका शासन केवल उसके अंत के लिए उल्लेखनीय है क्योंकि उसे सिकंदर महान ने जीत लिया था, और उसका शासन वास्तव में फारसी साम्राज्य का अंत था।

तो यह कहा गया, फारसी साम्राज्य के बाद की स्थिति के बारे में थोड़ा सा। हम पश्चिम में फारसियों के बारे में ज़्यादा नहीं जानते। हम उनके बारे में ज़्यादा नहीं सोचते, क्योंकि इतिहास विजेताओं द्वारा लिखा जाता है, और विजेता यूनानी और रोमन और पश्चिम थे।

और इसलिए, हम इस बारे में ज़्यादा नहीं सोचते कि असल में क्या हुआ और फारसियों के साथ क्या हुआ। लेकिन वास्तव में, फारसी साम्राज्य के पतन के दिनों के बाद, हम इन लोगों को अलविदा नहीं कह सकते, क्योंकि अभी भी मेड्स थे, और अभी भी फारसी थे, और उस क्षेत्र में अभी भी अन्य इंडो-आर्यन लोग थे। अचमेनिड साम्राज्य अब नहीं रहा।

सिकंदर महान 332 में इसे खत्म करने जा रहा था। लेकिन फारसी लोग आने वाली कई शताब्दियों तक एक विश्व शक्ति बने रहे। सबसे पहले, पार्थियन साम्राज्य था।

अब, पार्थियन साम्राज्य वास्तव में 247 ईसा पूर्व में शुरू हुआ था। तो लगभग 100 साल, सिकंदर महान के समय से ठीक 100 साल बाद। 242 ईस्वी तक चला।

यह बहुत लंबा समय है। रोमन लगातार पार्थियनों के खिलाफ़ सिर पीट रहे थे। इसकी स्थापना पारनी नामक एक ईरानी जनजाति ने की थी।

एक बार फिर, ये इंडो-आर्यन लोग थे जो मेड्स से संबंधित थे, जो फारसियों से संबंधित थे। और उन्होंने खुद को अकेमेनिड साम्राज्य के बाद स्टाइल किया और अपने शासन को अनिवार्य रूप से अकेमेनिड्स के अनुसार ढालने की कोशिश की। एक समय पर, वे लगभग पूरे मध्य पूर्व पर विजय प्राप्त करने में कामयाब रहे और बाद में यहूदी मामलों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें हेरोद द ग्रेट नामक एक व्यक्ति का समय भी शामिल था।

सस्सानिद साम्राज्य। पार्थियन साम्राज्य के पतन के बाद, हमारे पास एक और फ़ारसी साम्राज्य का उदय हुआ जिसे सस्सानिद कहा जाता है। वे वास्तव में खुद को दूसरा फ़ारसी साम्राज्य कहते थे या इस नाम से जाने जाते थे क्योंकि वास्तव में इसका केंद्र फ़ारस में था।

एक बार फिर, यह एक उल्लेखनीय स्थान था। सासानी साम्राज्य वास्तव में मुस्लिम विजय तक जारी रहा। लेकिन सासानी साम्राज्य में, संस्कृति की एक अद्भुत तरह की प्रतिदीप्ति थी।

इस क्षेत्र में यहूदी समुदाय, जिसे अब ईरान, फारस का क्षेत्र कहा जाता है, सासानी शासन के दौरान पूरी तरह से समृद्ध था। ईसाइयों को कभी-कभी बहुत सम्मान दिया जाता था। अन्य समय में, उन्हें सताया जाता था, लेकिन यह आगे-पीछे होता रहता था।

लेकिन इस युग में इस तरह का अद्भुत आदान-प्रदान था। सस्सानिद साम्राज्य और पार्थियन साम्राज्य दोनों ही आत्म-चेतना से पारसी राज्य थे। लेकिन अपने पारसी धर्म के कारण, वे अन्य लोगों के प्रति बहुत सहिष्णु थे।

यह एक तरह से विडंबना है। पारसी लोग लगभग विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके हैं। वे अभी भी मौजूद हैं।

आप उन्हें अभी भी पा सकते हैं। लेकिन कुछ मुस्लिम राज्यों में उत्पीड़न के कारण वे लगभग विलुप्त होने की कगार पर हैं, क्योंकि उन्हें किताब के लोग नहीं माना जाता। इसलिए मुस्लिम समझ में, और मैं निश्चित रूप से यहाँ कट्टरपंथी इस्लाम की बात कर रहा हूँ, न कि आपके अधिक उदार इस्लाम की।

लेकिन विचार यह था कि एकेश्वरवादी धर्म, विशेष रूप से पुस्तक के धर्म, यहूदी, ईसाई और कुछ अन्य छोटे संप्रदाय जो जॉन बैपटिस्ट की पूजा करने और जॉन बैपटिस्ट का अनुसरण करने का दावा करते हैं, उन्हें सहन किया जाता था क्योंकि उन्हें अधूरा माना जाता था, रहस्योद्घाटन की कमी थी, लेकिन वे सुधारे जा सकते थे। किसी दिन शायद वे कुरान सीखेंगे और पैगंबर को पहचानना सीखेंगे। दूसरी ओर, जोरास्ट्रियन को पुस्तक के लोग नहीं माना जाता था।

और इसलिए, वे अधिक कट्टरपंथी इस्लामी राज्यों के हाथों बहुत अधिक उत्पीड़न सहते हैं। इसलिए, इन जोरास्ट्रियन साम्राज्यों के तहत, यहूदी फले-फूले, और ईसाई धर्म को आम तौर पर सहन किया गया। जब इसे सहन किया गया, तो यह विकसित हो सका, इसने बहुत सारी बौद्धिक खोजों का पता लगाया, और विभिन्न राष्ट्रों और लोगों के विलय और विकास के लिए इस तरह के बहुत सारे अवसर वहाँ सस्सानिद साम्राज्य की छत्रछाया और सुरक्षा के तहत हुए।

तो, हम अगली बार फ़ारसी संस्कृति और पारसी धर्म के बारे में थोड़ी और बात करेंगे और आने वाले वर्षों में इसने यहूदी धर्म को कैसे प्रभावित किया होगा।

यह टोनी टॉमसिनो है, और उनकी शिक्षाएँ यीशु से पहले यहूदी धर्म पर थीं। यह सत्र 3 है, फ़ारसी साम्राज्य।